No. of Printed Pages : 4 **BES-056**

01285

CERTIFICATE PROGRAMME FOR PROFESSIONAL DEVELOPMENT OF PRIMARY TEACHERS (CPPDPT)

Term-End Examination

December, 2017

BES-056 : PEDAGOGY OF ENVIRONMENTAL STUDIES

Time : 2 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

---

1. Answer the following question in about **600 words.**

Explain the importance of 'concept map' in planning of EVS, discuss with the help of suitable example from EVS textbook of class V.

OR

How does assessment in EVS help in holistic development of the child ? How could you use picture reading and drawing as assessment tools in EVS ? Explain with the help of examples.

2. Answer **any four** of the following questions in about **150 words** each.

(a) Discuss the importance of theme "Travel" in EVS curriculum at primary level.

(b) Suggest a strategy to explain the concept of "family" to class III children.

(c) How will you link cultural diversity with food habits of people in India ? Explain with examples.

(d) How will you use ICT resources to help children in understanding the concept of "Migration" and its related issues ?

(e) Discuss the thematic approach of integration in EVS curriculum.

(f) Describe the importance of 'Role-play' in EVS teaching-learning.

3. Answer the following question in about **600 words.**

Select a topic related to theme "water" from EVS textbook of class IV. Design an activity to help children in understanding the topic along with assessment strategy which you will adopt.

बी.ई.एस.-056

प्राथमिक अध्यापकों के वृत्तिक विकास हेतु प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सी.पी.पी.डी.पी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

बी.ई.एस.-056 : पर्यावरण अध्ययन का शिक्षण

समय : 2 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600 शब्दों** में दीजिए। पर्यावरण अध्ययन में नियोजन में 'संकल्पना–मानचित्र' के महत्व की व्याख्या कीजिए। कक्षा पाँच की पर्यावरण अध्ययन को पाठ्यपुस्तक से उचित उदाहरण की सहायता से इसकी चर्चा कीजिए।

अथवा

पर्यावरण अध्ययन में आंकलन किस प्रकार बच्चे के सर्वांगीण विकास में मदद करता है? आप पर्यावरण अध्ययन में ''चित्र–पाठन'' तथा ''आरेखन'' का प्रयोग आंकलन उपकरण के रूप में कैसे करेंगे? उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **150 शब्दों** में दें।
   (a) प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यचर्या में ''यातायात'' शीर्षक के महत्व पर प्रकाश डालिए।
   (b) कक्षा तीन के बच्चों को ''परिवार'' का प्रत्यय स्पष्ट करने हेतु कोई युक्ति सुझाइये।

(c) आप भारत में सांस्कृति विविधता को लोगों के खान-पान से कैसे जोडेंगे? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(d) आप बच्चों की "प्रवासन' तथा इससे जुड़े विषय समझने में मदद करने के लिए सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी संसाधनों का प्रयोग कैसे करेंगे?

(e) पर्यावरण अध्ययन पाठ्यचर्या में "शीर्षकगत समन्वयन" उपागम की चर्चा कीजिए।

(f) पर्यावरण अध्ययन शिक्षण-अधिगम में "भूमिका-अभिनय" के महत्व का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600 शब्दों** में दीजिए।

कक्षा चार की पर्यावरण अध्ययन पाठ्यपुस्तक से "जल" शीर्षक से सम्बन्धित एक विषय चुनिए। इस विषय को समझने में बच्चों की मदद करने के लिए एक क्रियाकलाप संरचित कीजिए तथा वह आंकलन युक्ति भी बताइए जिसका आप प्रयोग करेंगे।